सदा सुहागन | By Shikha Modi Agrawal

धी को दीपक चास भवानी
आरती तेरी गाउंगी
सदा सुहागन को वर माता
थारे से मैं पाउंगी

सासु म्हारी हो पटरानी
सुसरा जी हो राजा जी
नंदुली होवे बड़भागान
नन्दोई बड़भागी जी
राजकुमार सु देवर गोरा
माता था से मांगूंगी
सदा सुहागन को वर माता
थारे से मैं पाउंगी

म्हाने ऐसो वर दीजो माँ
मेहँदी हाथां रची रहे
सदा चमकती रहे बिंदिया
मांग सिन्दूरी सजी रहे
शिव गोरा सी जोड़ी होवे
म्हारी या मैं चाहूंगी
सदा सुहागन को वर माता
थारे से मैं पाउंगी

हे जग जननी हे जगदम्बा
जिम्मेदारी थारी है
कैसे वर थे देस्यो म्हाने
मैया इच्छा थारी है
शिखा कहे मैं लाल चुनरी
थाने आज उढाउंगी
सदा सुहागन को वर माता
थारे से मैं पाउंगी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%a6%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a8-by-shikha-modi-agrawal/>